2nd – 8th February 2024, Lucknow

MEDIA COVERAGE OF THE INDO-US FLOW CYTOMETRY WORKSHOPS, 2nd – 8th Feb 2024

पी जी आई में इंडो यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशॉप तथा सी एम ई का 25 वा सम्मेलन का हुआ आयोजन

संवाददाता/ रघुनाथ सिंह द अचीवर टाइम्स

लखनऊ । इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशॉप और सी.एम.ई का 25वां संस्करण, साइटोमेट्री के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सम्मेलन, लखनऊ में सफलता से समाप्त हुआ। इस प्रतिष्ठात्मक सम्मेलन, सिल्वर ज्यूबिली, का संयुक्त संचालन संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एसजीपीजीआई), लखनऊ के हेमेटोलॉजी विभाग और ट्रस्ट फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टेटीसी) इंडिया ने संयोजित किया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सहयोग और शिक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कॉन्फ्रेंस ने 18 राज्यों के

48 शहरों से आए 135 उपस्थितियों की प्रतिभा को दर्शाया, जिससे फ्लो साइटोमेट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट रूप से साक्षरता और मान्यता का प्रदर्शन हुआ। इस घटना को और भी महत्वपूर्ण बनाने के लिए संयुक्त रूप से इसमें 30 प्रमुख शिक्षकों की भारी उपस्थिति थी, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका से दो गणनीय शिक्षक भी शामिल थे। दो दिनों के दौरान, संस्थान ने चार समानांतर कार्यशालाओं को होस्ट किया, जिनमें एसजीपीजीआई के हेमेटोलॉजी विभाग में तीन और इम्यूनोलॉजी विभाग में एक था। ये कार्यशालाएं निदान से लेकर हेमेटोलॉजी और इम्यूनोलॉजी में अनुसंधान के लिए साधुनिक आवश्यकताओं क बारे में जानकारी प्रदान करने की एक सफल मुहीम रही। तीसरे दिन, फ्लो साइटोमेट्री के नवीनतम विकास, अनुप्रयोग, और भविष्य के दिशानिर्देशों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक सीएमई आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 4 फरवरी को संपन्न हुआ, जिसमें मंचासीन थे- प्रो. आर के धीमान, निदेशक एसजीपीजीआई; प्रो. राजेश कश्यप, हेमेटोलॉजी के हेड, एसजीपीजीआई, और संगठन के अध्यक्ष; डॉ. रेखा गौर, टीईटीसी की सह-संस्थापक और संगठन के अध्यक्ष; डॉ. खलीकुर रहमान, अतिरिक्त प्रोफेसर, हेमेटोलॉजी, एसजीपीजीआई और संगठन सचिव; प्रो. रुचि गुप्ता, हेमेटोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआई और संगठन सचिव; डॉ. हेमंत अग्रवाल, टीईटीसी का प्रबंधक और संगठन सचिव; और प्रो. ब्रेंट वुड, पिछले अध्यक्ष, आईसीसीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका। सम्मेलन में एक स्मारिका पुस्तक का विमोचन किया गया, जो वैज्ञानिक सार, व्यावहारिक लेखन और मानकीकृत प्रोटोकॉल का संकलन है । डॉ। रहमान, संगठन सचिव ने कहा कि इन कार्यशालाओं का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं के ज्ञान को हाथों की प्रशिक्षण द्वारा बढ़ावा देना है और क्षमता निर्माण करना है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह पहली बार नहीं है जब एसजीपीजीआई ने इस इंडो-यूएस कार्यशाला को आयोजित किया है। पहली बार 2007 में, फिर 2014, 2017 और अब 2024 में एक सिल्वर जुबली सम्मेलन के रूप में। प्रोफेसर राजेश कश्यप, एसजीपीजीआई के हेमेटोलॉजी विभाग के हेड, और डॉ रेखा गौर, ने सभी प्रतिनिधियों, फैकल्टी सदस्यों, और संगठन समिति के योगदान के लिए अपनी आभारी भावना व्यक्त की। उन्होंने इस प्रकार के सहयोगी प्लेटफॉर्म की महत्वता को दिखाया है जो चिकित्सा शोध को आगे बढ़ाने और मरीज की देखभाल में सुधार करने में सहायक है। 25वें इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री सम्मेलन और सीएमई चिकित्सा में फ्लो साइटोमेट्री के बढ़ते महत्व का साक्षी है, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान विनिमय को बढ़ावा देता है। यह कार्यक्रम भविष्य के सम्मेलनों के लिए एक नई मानक स्थापित करती है, जो इस क्षेत्र में और भी नई नवाचार और प्रगति लाने का वादा करते हैं।

अमर उजाला (5 फरवरी)

साइटोमेट्री के प्रतिभागी सम्मानित

लखनऊ। बीबीएयू में रविवार को इंडो-यूएस साइटोमेट्री कार्यशाला का समापन हुआ। प्रतिभागी विजेताओं को सम्मानित किया गया। सचिव डॉ. सुनील बाबू ने बताया कि कार्यशाला में शोधार्थियों ने साइटोमीटर, साइटोफ्लैक्स और एपोपटोसिस जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए। विदेशों से भी शोधार्थियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। (संवाद)

3 फरवरी (हिन्दुस्तान)

तनाव से बचने के लिए खुश रहना जरूरी

स्वास्थ्य

अंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को रन फॉर मेंटल हेल्थ का आयोजन हुआ।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को रन फॉर मेंटल हेल्थ निकाली गई। ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) एवं विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की ओर से आयोजित इस रन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

रन फॉर मेंटल हेल्थ के मुख्य अतिथि संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के रोबोटिक्स सर्जन डॉ ज्ञान चंद ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ- साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है। टीईटीसी की सह संस्थापक डॉ रेखा गौड़ ने कहा कि खुद को मानसिक तनाव से दूर रखने के लिए खुश रहना बहुत ही जरूरी है। एसिड अटैक सर्वाइवर रुपाली विश्वकर्मा ने कहा कि जीवन में हार नहीं माननी चाहिए।

नवभारत टाइम्स (3 फरवरी)

शारीरिक के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी

■ एनबीटी सं., लखनऊ : किसी भी व्यक्ति के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य से क्षमताओं का पता चलता है। ये बातें संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रसिद्ध रोबोटिक्स सर्जन डॉ. ज्ञान चंद ने शुक्रवार को बीबीएयू में कहीं। वे यहां ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) एवं विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'रन फॉर मेंटल हेल्थ' कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के सदस्य, स्टूडेंट्स और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री की सह संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी डॉ. रेखा गौड़ व शिरोज हैंगआउट की एसिड अटैक सर्वाइवर रुपाली विश्वकर्मा मौजूद रहीं।

एक नजर

बीबीएयू में हुई इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में फ्लो साइटोमेट्री और जीव विज्ञान में इसके अनुप्रयोग विषय पर 25वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पॉल हचिन्सन द्वारा ऑनलाइन माध्यम से इम्यूनोफ्लोरेसेंस स्टेनिंग फॉर फ्लो साइटोमेट्री विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। जितेंद्र शांदिल्य, बैकमैन कॉल्टर, डैरेक डेविस, हिमांशु टिल्लू शोधार्थियों द्वारा साइटोमीटर-साइटोफ्लैक्स एवं एपोपटोसिस जैसे विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त इम्यूनोफीनोटाइपिंग और इसके प्रयोग विषय पर रुई डॉ. रेखा गौड़ व डॉ. रुई गार्डनर ने अपने विचार रखे। डॉ. हेमंत अग्रवाल द्वारा डाटा विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण के बारे में बताया गया।

25th Indo-US Flow Cytometry Workshop inaugurated at Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

Nikash Express

The two-day 25th Indo-US Flow Cytometry Workshop was inaugurated on 3rd February on the topic "Flow Cytometry and its Applications in Biology" under the joint aegis of Trust for Education and Training in Cytometry (TETC) and Department of Biotechnology and Department of Pharmaceutical Sciences at Babasaheb Bhimrao Ambedkar University. The program was presided over by the Acharya Sanjay Singh, Vice Chancellor of the University. Dr. Ajit Kumar Shasany, Director of CSIR - National Botanical Research Institute, Lucknow was present as the chief guest. Apart from this, Prof. Sangeeta Saxena, Dean of School of Life Sciences , Dr. Rekha Gaur, cofounder and managing trustee of TETC , Dr. Hemant Aggarwal also from TETC and Dr. Sunil Babu Gosipatala, organizing secretary were present on the stage. The program started with the lighting of the lamp by the Honorable Vice-Chancellor and guests and offering floral tributes to the

statue of Babasaheb. Also, the organizing committee expressed its gratitude to the guests by gifting them flower bouquets, shawls and mementos. First of all, Dr. Sunil Babu Gosipatala, Organizing Secretary introduced the guests to everyone. After this, Prof. Sangeeta Saxena gave information related to the objective and outline of the program. The anchoring was done by Dr. Monica Sharma." While Addressing everyone, Acharya Sanjay Singh , Honorable Vice Chancellor said that, this kind of workshop is very important for the student life. Because the objective of such a workshop is to create research-related awareness among the students, to conduct quality research, to develop understanding and critical thinking of various scientific methods and processes, the positive results of which can be seen in the future." Dr. Ajit Kumar Shasany, Director, CSIR-NBRI, Lucknow, while expressing his views, said that flow cytometry is an important achievement in the field of biology, which is used to analyze the characteristics of cells or particles. Flow cytometry results are also used along with a person's medical history and other signs and symptoms." During the discussion, Dr. Rekha Gaur, Co-Founder and Managing Trustee of TETC, said that in today's time, flow cytometry has become a powerful immunophenotyping tool. Through which individual cells can be sorted based on their characteristics and the sample can be kept alive. Apart from this, Dr. Hemant Aggarwal associated with TETC explained about various methods of flow cytometry data analysis." At the end of the program, vote of thanks was done by Dr. Sunil Babu Gosipatala. During this program, Prof. Sanjay Kumar, Proctor, Prof. B.S. Bhadauria, DSW, Prof. D.R. Modi, Prof. Shilpi Verma, Dr. Ajay Singh Kushwaha, other teachers, researchers from abroad, participants and students from various universities were present."""Dr. Rachana Gangwar"PRO"Babasaheb Bhimrao"Ambedkar University"Lucknow, U.P.

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में हुआ 25 वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला का उद्घाटन

भारत संवाद

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनाँक 3 फरवरी को ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) एवं विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के संयुक्त तत्वाधान में फ्लो साइटोमेट्री और जीव विज्ञान में इसके अनुप्रयोग विषय पर द्वि दिवसीय 25 वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआर - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ के डायरेक्टर डॉ० अजित कुमार शासनी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज की डीन प्रो० संगीता सक्सेना, टीईटीसी की सह संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी डॉ० रेखा गौड़ व डॉ० हेमंत अग्रवाल एवं आयोजन सचिव डॉ० सुनील बाबू गोसीपटाला ? उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत माननीय कुलपति एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। साथ ही आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को पुष्प गुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। सर्वप्रथम आयोजन सचिव डॉ० सुनील बाबू गोसीपटाला ने सभी से अतिथियों का परिचय कराया। इसके पश्चात प्रो० संगीता सक्सेना ने सभी को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रुपरेखा से संबंधित जानकारी दी। मंच संचालन का कार्य डॉ० मोनिका शर्मा द्वारा किया गया। माननीय कुलपति आचार्य संजय सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, कि इस तरह की कार्यशाला विद्यार्थी जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस तरह की कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध से संबंधित जागरूकता पैदा करना, गुणवत्ता अनुसंधान करना, विभिन्न वैज्ञानिक तरीकों और प्रक्रियाओं की समझ एवं आलोचनात्मक सोच को विकसित करना है, जिसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में देखने को मिलते हैं।

सीएसआईआर - एनबीआरआई लखनऊ के डायरेक्टर डॉ० अजित कुमार शासनी ने अपनी विचार रखते हुए कहा, कि फ्लो साइटोमेट्री जीवविज्ञान के क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका प्रयोग कोशिकाओं या कणों की विशेषताओं का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है इसके अलावा किसी व्यक्ति के चिकित्सा इतिहास और अन्य संकेतों और लक्षणों के साथ फ्लो साइटोमेट्री के परिणामों का उपयोग किया जाता है। टीईटीसी की सह संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी डॉ० रेखा गौड़ ने चर्चा के दौरान कहा, कि आज के समय में फ्लो साइटोमेट्री एक शक्तिशाली इम्यूनोफेनोटाइपिंग उपकरण बन गया है। जिसके माध्यम से व्यक्तिगत कोशिकाओं को उनकी विशेषताओं के आधार पर क्रमबद्ध और नमूने को स्वस्थ एक जीवित रखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त टीईटीसी से जुड़े डॉ० डॉ० हेमंत अग्रवाल ने फ्लो साइटोमेट्री डेटा विश्लेषण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ० सुनील बाबू गोसीपटाला द्वारा किया गया। इस दौरान प्रॉक्टर प्रो० संजय कुमार, डीएसडब्लयू प्रो० बी० एस० भदौरिया, प्रो० डी० आर० मोदी, प्रो० शिल्पी वर्मा, डॉ० अजय सिंह कुशवाहा, अन्य शिक्षक, विदेशों से आये शोधार्थी, विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये प्रतिभागी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीडीआरआई में आज संगोष्ठी का आयोजन

LUCKNOW (5 FEB): सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी), इंडिया के सहयोग से बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल विज्ञान में करियर विकास पर 6 फरवरी को एक संगोष्ठी आयोजित करने जा रहे है. इसके साथ ही इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री की सिल्वर जुबली पर 7 और 8 फरवरी को फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में इसके उन्नत अनुप्रयोग पर 25वीं वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा. यह आयोजन बायोलॉजिकल एवं बायोमेडिकल विज्ञान के क्षेत्र में करियर के अलग अलग विकल्प तलाशने संबंधी जानकारी देने के साथ साथ अनुसंधान छात्रों, प्रौद्योगिकीविदों, पोस्टडॉक्टरल विद्वानों, वैज्ञानिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच देगा.

सीएसआईआर-सीडीआरआई एवं टीईटीसी, इंडिया द्वारा बायोलॉजिकल एवं बायोमेडिकल विज्ञान में एक संगोष्ठी एवं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री की सिल्वर जुबली पर फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा

लखनऊ(बरेली की आवाज)। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीडीआरआई) ने ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी), इंडिया, के सहयोग से बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल विज्ञान में करियर विकास पर 6 फरवरी को एक संगोष्ठी आयोजित करने जा रहें है। इसके साथ ही इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री की सिल्वर जुबली पर 7 और 8 फरवरी 2024 को ह्फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में इसके उन्नत अनुप्रयोग पर 25वीं वर्कशॉपर का आयोजन किया जाएगा।

यह आयोजन बायोलॉजिकल एवं बायोमेडिकल विज्ञान के क्षेत्र में कैरियर के विविध विकल्प तलाशने संबंधी जानकारी प्रदान करने के साथ साथ अनुसंधान छात्रों, प्रौद्योगिकीविदों, पोस्टडॉक्टरल विद्वानों, वैज्ञानिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

संगोष्ठी में करियर विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जिसमें उद्यमिता विकास, कंपनी, एनजीओ एवं स्टार्टअप की स्तहपन, फंडिंग/ग्रांट के अवसर, कॉर्पोरेट्स एवं सरकारी संगठनों के अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में वैज्ञानिक पदों के अवसर, फ्लो साइटोमेट्री में करियर, और पोस्टडॉक्टरल रिसर्च के अवसर पर विशेष व्याख्यान और पैनल चर्चाएँ शामिल होंगी।

संगोष्ठी को सफल एवं उपयोगी बनाने हेतु विविध पृष्ठभूमियों के प्रतिष्ठित वक्ता अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। इन उल्लेखनीय हस्तियों में डॉ. संजीव कुमार वार्ष्णेय, सलाहकार एवं प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली; डॉ अरविंदर सिंह, निदेशक, ह्यूमन डायग्नोस्टिक्स, गुड़गांव; फ्लो साइटोमेट्री सॉल्यूशंस, जयपुर के निदेशक डॉ. हेमंत अग्रवाल; सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ के मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. समन हबीब एवं डॉ. नैबेद्य चट्टोपाध्याय; सिनजीन इंटरनेशनल, बैंगलोर के प्रमुख अन्वेषक, डॉ. माइकल डी'सिल्वा; एनेरविया, पुणे के मुख्य नवाचार और संचालन अधिकारी श्री आयुष मिश्रा; एवं डॉ. रेखा गौड़, टीईटीसी, इंडिया की सह-संस्थापक शामिल रहेंगे।

संगोष्ठी की शाम को, एक पैनल चर्चा प्रतिभागियों को वक्ताओं के साथ बातचीत करने, उनके कैरियर की यात्रा के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सलाह प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। आयोजन का एक अन्य आकर्षण टीईटीसी बेस्ट पब्लिश्ड पेपर अवार्ड 2024 के माध्यम से अनुसंधान में उत्कृष्टता को सम्मानित करना भी रहेगी।

7 फरवरी को सिल्वर जुबली 25वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला शुरू की जाएगी, जिसमें प्रतिभागी फ्लो साइटोमेट्री के अपने कौशल को निखारेंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएँ वर्ष 2002 में शुरू की गईं और तब से टीईटीसी द्वारा पूरे भारत में अग्रणी अनुसंधान संस्थानों,

अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संगठनों के सहयोग से साइटोमेट्री समुदाय के निर्माण के मिशन को सफलतापूर्वक जारी रखा गया है।

संगोष्ठी | संगोष्ठी में रिसर्च स्कॉलर, प्रौद्योगिकीविदों एवं पोस्टडॉक्टरल स्कॉलर सम्मिलित

बायोमेडिकल साइंसेस में करियर विकल्पों पर संगोष्ठी

आयोजन

- **सीएसआईआर-सीडीआरआई और टीईटीसी इंडिया ने किया सहयोग**

लखनऊ, लोकसत्य

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान लखनऊ (सीएसआईआर-सीडीआरआई) ने ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) इंडिया, के सहयोग से संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी का उद्देश्य बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल साइंसेस में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारी देना था।

सीडीआरआई सभागार में आयोजित संगोष्ठी में भारत के विभिन्न हिस्सों से रिसर्च स्कॉलर, प्रौद्योगिकीविदों एवं पोस्टडॉक्टरल स्कॉलर सम्मिलित हुए। संगोष्ठी में कॉर्पोरेट, उद्योग, शिक्षा, संचार, व्यवसाय तथ सरकारी संगठनों आदि में शोध एवं अनुसंधान व वैज्ञानिक पदों एवं उससे आगे के क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी गई। संगोष्ठी की शुरुआत में, टीईटीसी, इंडिया की सह-संस्थापक और आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. रेखा गौर ने टीईटीसी संगठन के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

आयोजन समिति सचिव डॉ. मृगांक श्रीवास्तव और डॉ. हेमंत अग्रवाल ने शोध करियर की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. नैवेद्य चट्टोपाध्याय ने अनुसंधान एवं विकास में फ्लो साइटोमेट्री अनुप्रयोगों को लोकप्रिय बनाने के लिए टीईटीसी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और संगोष्ठी की शुरुआत की घोषणा की साथ ही प्रतिभागियों से इसमें खुले दिमाग से भाग लेने के लिए कहा।

सिनजीन इंटरनेशनल, बैंगलोर के प्रमुख अन्वेषक, डॉ. माइकल डिसिल्वा, डॉ. अरविंदर सिंह, निदेशक, ह्यूमन डायग्नोस्टिक्स गुड़गांव, डॉ आयुष मिश्रा, एनवेंवा, पुणे के सीओईएनओ, ने कंपनी स्टार्टअप और उद्यमिता पर अमूल्य अवलोकन प्रदान किया। सीएसआईआर-सीडीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. समन हबीब ने सरकारी संगठनों में वैज्ञानिक अवसरों के बारे में बात की। डॉ. एसके वार्ष्णेय ने सरकारी संगठनों के पास उपलब्ध फंडिंग/अनुदान अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ मनोज बर्थवाल एवं डॉ रेखा गौड़ की अध्यक्षता में एक प्रभावी पैनल डिस्कशन हुआ, जिससे वक्ताओं और प्रतिभागियों के बीच बातचीत को बढ़ावा मिला। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के डॉ. नरेश सचदेवा को सीडी4+टी कोशिकाओं में टीएलआर9 सिग्नलिंग सक्रियण पर उनके काम के लिए टीईटीसी बेस्ट पब्लिश्ड पेपर अवार्ड 2024 (शोध) से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने निष्कर्षों के बारे में एक व्याख्यान भी दिया।

Lucknow 07-02-2024

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
लोकसत्य

सीडीआरआई में इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री पर कार्यशाला कल से

लखनऊ। केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान व ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री के साझा प्रयास से बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल विज्ञान में कॅरिअर विकास पर एक संगोष्ठी का आयोजन सात व आठ फरवरी होगा। इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री की सिल्वर जुबली पर फ्लो साइटोमेट्री व जैविक विज्ञान में इसके अनुप्रयोगों पर यह 25वीं वर्कशॉप होगी।

आयोजन में कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। अंतरराष्ट्रीय सहयोग डीएसटी, भारत सरकार के प्रमुख डॉ. संजीव वार्ष्णेय, निदेशक, ह्यूमन डायग्नोस्टिक्स, गुड़गांव के डॉ. अरविंदर सिंह, फ्लो साइटोमेट्री सॉल्यूशंस जयपुर के निदेशक डॉ. हेमंत अग्रवाल, सीडीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. समन हबीब व डॉ. नैवेद्य चट्टोपाध्याय, सिनजीन इंटरनेशनल बैंगलोर के प्रमुख अन्वेषक, डॉ. माइकल डीसिल्वा, एनेरविया, पुणे के मुख्य नवाचार और संचालन अधिकारी आयुष मिश्रा व टीईटीसी इंडिया की सह-संस्थापक डॉ. रेखा गौड़ शामिल होंगे। (संवाद)

उन्नत अनुप्रयोग पर 25वीं वर्कशॉप का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सीएसआईआर केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान ने ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री इंडिया, के सहयोग से बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल विज्ञान में करियर विकास पर 6 फरवरी को एक संगोष्ठी आयोजित करने जा रहें है। साथ ही इंडो यूएस फ्लो साइटोमेट्री की सिल्वर जुबली पर 7 और 8 फरवरी 2024 को फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में इसके उन्नत अनुप्रयोग पर 25वीं वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में करियर विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जिसमें उद्यमिता विकास, कंपनी, एनजीओ एवं स्टार्टअप की स्तहपन, फंडिंग एवं ग्रांट के अवसर, कॉर्पोरेट्स एवं सरकारी संगठनों के अनुसंधान एवं विकास में वैज्ञानिक पदों के अवसर, फ्लो साइटोमेट्री में करियर, और पोस्टडॉक्टरल रिसर्च के अवसर पर विशेष व्याख्यान और पैनल चर्चाएं शामिल होंगी। आयोजन का एक अन्य आकर्षण टीईटीसी बेस्ट पब्लिश्ड पेपर अवार्ड 2024 के माध्यम से अनुसंधान में उत्कृष्टता को सम्मानित करना भी रहेगी। 7 फरवरी को सिल्वर जुबली 25वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला शुरू की जाएगी।

फ्लो साइटोमेट्री के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में प्रतिभागियों ने जाना

प्रहरी मीमांसा संवाददाता

लखनऊ। सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-सीडीआरआई) में हो रही दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपने कौशल को निखारा एवं जीव विज्ञान में फ्लो साइटोमेट्री के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में सीखा। यह कार्यशाला ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) इंडिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने किया, अपनी उद्घाटन सम्बोधन में उन्होंने आधुनिक अनुसंधान में एक अनिवार्य उपकरण के रूप में फ्लो साइटोमेट्री के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. रंगराजन ने प्रतिभागियों को फ्लो साइटोमेट्री जैसी उन्नत तकनीकों से लैस करने के महत्व पर जोर दिया, जो उन्हें बायोमेडिकल अनुसंधान में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि फ्लो साइटोमेट्री सूक्ष्म जीव विज्ञान और मेटाबोलिक रोगों के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने में सहायक है, जो शोधकर्ताओं को सेलुलर प्रक्रियाओं का अध्ययन करने, चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने और नवीन उपचार रणनीतियों को विकसित करने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करती है। कार्यशाला में डॉ. डेरेक डेविस फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट, लंदन से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वह तीन दशकों से अधिक के अग्रणी योगदान के साथ फ्लो साइटोमेट्री के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। क्षेत्र में अपने नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध डॉ. डेविस ने फ्लो साइटोमेट्री, इसके उपकरण और विविध अनुप्रयोगों की जटिलताओं में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होने बताया कि फ्लो साइटोमेट्री सिर्फ कोशिका को ही नहीं, बल्कि उसके व्यवहार की समझ को भी प्रकाशित करती है। साथ ही प्रतिभागियों को स्वयं के साइटोमीटर स्थापित करने से लेकर मल्टीकलर इम्यूनो फेनोटाइपिंग, कोशिका स्वास्थ्य विश्लेषण, प्रसार, कोशिका चक्र, कोशिका मृत्यु एवं कोशिका छँटाई जैसी उन्नत तकनीकों तक के विषयों पर गहराई से विचार करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यशाला में अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों में रुई गार्डनर, मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर यूएसए में फ्लो साइटोमेट्री कोर फैसिलिटी के प्रमुख, कार्ला मोनकाडा गोरेना, यूएसए, डॉ. एच कृष्णमूर्ति, पूर्व प्रमुख फ्लो फैसिलिटी एनसीबीएस बैंगलोर, एम्स नई दिल्ली से डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, अहमदाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. विवेक तनावड़े, टीईटीसी, भारत के डॉ. हिमांशु टिल्लू और डॉ. हेमंत अग्रवाल आदि शामिल थे। बेकमैन-कूल्टर, थर्मोफिशर और साइटेक बायोसाइंसेज के अधिकारियों ने फ्लो साइटोमेट्री की बुनियादी और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, सीएसआईआर-सीडीआरआई के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों डॉ मृगांक श्रीवास्तव, डॉ सचिन कुमार, डॉ राहुल शुक्ला, डॉ. नीरज जैन और डॉ. अनिल गायकवाड़ ने इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस कार्यशाला में पूरे भारत से लगभग सत्तर से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं।

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच
वर्ष-13 अंक-12 गुरुवार, 08 फरवरी 2024 नगर संस्करण लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित मूल्य- ₹ 3.00 पृष्ठ-12

सीएसआईआर सीडीआरआई में दो दिवसीय फ्लो साइटोमेट्री पर कार्यशाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सीएसआईआर सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टिट्यूट में हो रही दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपने कौशल को निखारा एवं जीव विज्ञान में फ्लो साइटोमेट्री के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में सीखा। यह कार्यशाला ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री इंडिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन सीडीआरआई की निदेशक डॉ राधा रंगराजन ने किया। उद्घाटन सम्बोधन में उन्होंने आधुनिक अनुसंधान में एक अनिवार्य उपकरण के रूप में फ्लो साइटोमेट्री के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ रंगराजन ने प्रतिभागियों को फ्लो साइटोमेट्री जैसी उन्नत तकनीकों से लैस करने के महत्व पर जोर दिया, जो उन्हें बायोमेडिकल अनुसंधान में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि फ्लो साइटोमेट्री सूक्ष्म जीव विज्ञान और मेटाबोलिक रोगों के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने में सहायक है, जो शोधकर्ताओं को सेलुलर प्रक्रियाओं का अध्ययन करने, चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने और नवीन उपचार रणनीतियों को विकसित करने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करती है। कार्यशाला में डॉ डेरेक डेविस फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट, लंदन से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वह तीन दशकों से अधिक के अग्रणी योगदान के साथ फ्लो साइटोमेट्री के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। क्षेत्र में अपने नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध डॉ डेविस ने फ्लो साइटोमेट्री, इसके उपकरण और विविध अनुप्रयोगों की जटिलताओं में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होने बताया कि फ्लो साइटोमेट्री सिर्फ कोशिका को ही नहीं, बल्कि उसके व्यवहार की समझ को भी प्रकाशित करती है।

सीएसआईआर में वर्कशॉप के पहले दिन बोले विशेषज्ञ

'कोशिका व्यवहार को भी समझती है फ्लो साइटोमेट्री'

एनबीटी, लखनऊः फ्लो साइटोमेट्री सिर्फ कोशिका ही नहीं बल्कि उसका व्यवहार समझती है। सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीएसआईआर) में 'फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में अनुप्रयोग' पर आयोजित वर्कशॉप के पहले दिन बुधवार यह बात लंदन से आए क्रिक इंस्टिट्यूट के डॉ. डेरेक डेविस फ्रांसिस ने कही। दो दिवसीय वर्कशॉप के पहले दिन डॉ. डेरेक ने फ्लो साइटोमेट्री के साथ ही विविध अनुप्रयोगों की जटिलताओं के बारे में विस्तार से बताया।

सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने उद्घाटन करते हुए फ्लो साइटोमेट्री के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म जीव विज्ञान और मेटाबोलिक रोगों के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने में फ्लो साइटोमेट्री काफी सहायक है। इस मौके पर मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर-यूएसए में फ्लो साइटोमेट्री कोर फैसिलिटी के प्रमुख रुई गार्डनर, यूएसए की कार्ला मोनकाडा गोरेना, फ्लो फैसिलिटी एनसीबीएस बेंगलुरु के पूर्व प्रमुख डॉ. एच कृष्णमूर्ति समेत कई विशेषज्ञों ने भी विचार रखे।

वर्कशॉप में बेकमैन-कूल्टर, थर्मोफिशर और साइटेक बायोसाइंसेज के अधिकारियों ने फ्लो साइटोमेट्री की बुनियादी और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया। सीएसआईआर-सीडीआरआई के वैज्ञानिकों डॉ. मृगांक श्रीवास्तव, डॉ. सचिन कुमार, डॉ. राहुल शुक्ला, डॉ. नीरज जैन और डॉ. अनिल गायकवाड़ ने प्रतिभागियों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

क्या है फ्लो साइटोमेट्री : फ्लो साइटोमेट्री तरल पदार्थ में कोशिकाओं का एनालिसिस करने की एक उच्च तकनीक है। लेजर की मदद से फ्लो साइटोमीटर प्रकाश संकेत बनाते हैं, जो कोशिकाओं से निकलते हैं। इन्हें फोटोडायोड या फोटोमल्टीप्लायर ट्यूबों द्वारा रिकॉर्ड किया जाता है। ये सिग्नल से इलेक्ट्रॉनिक डेटा बनता है, जिसका कंप्यूटर से विश्लेषण कर एक विशेष फाइल के रूप में सहेजा जाता है।

मेटाबॉलिक रोगों पर शोध में मददगार होगी फ्लो साइटोमेट्री

सीडीआरआई में दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन मौजूद विशेषज्ञ। -संवाद

लखनऊ। बायोमेडिकल अनुसंधान, सूक्ष्म जीव विज्ञान और मेटाबॉलिक रोगों में फ्लो साइटोमेट्री जैसी तकनीक मददगार साबित हो सकती है। अनुसंधान, चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान व नवीन उपचार रणनीतियां विकसित करने के लिए यह शक्तिशाली उपकरण है। सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने संस्थान परिसर में टीईटीसी इंडिया के साझा प्रयास से चल रही दो दिवसीय कार्यशाला में बुधवार को ये बातें कहीं। मुख्य अतिथि क्रिक इंस्टीट्यूट लंदन से आए डॉ. डेरेक डेविस फ्रांसिस ने बताया कि फ्लो साइटोमेट्री कोशिका को ही नहीं, उसके व्यवहार की समझ को भी बताती है। कार्यशाला में अमेरिका से मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर में फ्लो साइटोमेट्री कोर फैसिलिटी के प्रमुख रुई गार्डनर व कार्ला मोनकाडा गोरेना, फ्लो फैसिलिटी एनसीबीएस बंगलूरू के पूर्व प्रमुख डॉ. एच कृष्णमूर्ति, एम्स से डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, अहमदाबाद विवि से डॉ. विवेक तनावड़ आदि थे। (संवाद)

WEDNESDAY , FEBRUARY 14 2024 | About us | Our Team | Privacy Policy | Contact us

हिन्दी साप्ताहिक
टेलीस्कोप टुडे

सबको वैक्सीन मुफ्त वैक्सीन
दुनिया का सबसे बड़ा मुफ्त टीकाकरण अभियान
धन्यवाद मोदी जी

देश-विदेश | उत्तर प्रदेश | राज्य | राजनीति | अपराध | व्यापार | खेल | स्वास्थ्य | सोशलमीडिया | फिल्म | धर्म/ज्योतिष | प्रेस विज्ञप्ति | लेख/स्तम्भ

SILVER JUBILEE
25TH INDO-US FLOW CYTOMETRY WORKSHOPS

बायोलॉजिकल एवं बायोमेडिकल विज्ञान में करियर विकास पर संगोष्ठी 6 फरवरी को

Telescope Today · February 5, 2024

ADVT
SBI
भारतीय स्टेट बैंक लखनऊ मण्डल
हर भारतीय के लिए बैंकिंग की खास सुविधाओं का उत्सव
सपने साकार करने का अधिकार
उन्नति का अधिकार
आसान डिजिटल सुविधा का अधिकार
समृद्धि का अधिकार
गरिमा

https://telescopetoday.in/archives/37530

NATIONAL NEWS VISION

होम | उत्तर प्रदेश | विदेश | देश | राजनीति | खेल | बिजनेस | मनोरंजन | स्वास्थ्य | विविध

Home › विविध › फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में इसके उन्नत अनुप्रयोग पर वर्कशॉप सात...

विविध

फ्लो साइटोमेट्री एवं जैविक विज्ञान में इसके उन्नत अनुप्रयोग पर वर्कशॉप सात फरवरी से

By **National News Vision** - February 5, 2024 · 63 · 0

https://nationalnewsvision.com/a-seminar-for-career-development-in-biological-and-biomedical-sciences-and-a-workshop-on-flow-cytometry-and-advanced-applications-in-biological-sciences-to-be-organized-by-csir-cdri/

Post

BioVoice News
@BiovoiceNews

ACADEMIA: @CSIR_CDRI in collaboration with @TETCINDIA is organizing a Symposium on Career Development in #Biological & Biomedical Sciences on 5th February & 25th INDO-US #FlowCytometry Workshop on 7-8 February.

More: biovoicenews.com/csir-cdri-tetc... via #BioVoiceNews

@CSIR_IND @DBTIndia

---

https://x.com/BiovoiceNews/status/1754760377319989724?t=1ywC0x8j-WgFvMP6D5bKng&s=08

CSIR-CDRI Symposium Illuminates Career Paths in Biological & Biomedical Sciences

newsdesk　Feb 6, 2024 - 17:02　Feb 6, 2024 - 17:02　0

https://www.businessuniverse.in/csir-cdri-symposium-illuminates-career-paths-in-biological-biomedical-sciences

उत्तर प्रदेश

सीएसआईआर-सीडीआरआई और टीईटीसी इंडिया के सहयोग से बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल साइंसेस में विभिन्न करियर विकल्पों पर संगोष्ठी

प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से जीव विज्ञान एवं जैव चिकित्सा विज्ञान में करियर विकास के नए विकल्पों को जाना

yusuf main   फ़रवरी 6, 2024 - 19:54

द स्वार्ड ऑफ इंडिया

ब्यरो चीफ आर एल पाण्डेय

---

https://www.theswordofindia.com/Seminar-on-various-career-options-in-Biological-and-Biomedical-Sciences-in-collaboration-with-CSIR-CDRI-and-TETC-India

जीव विज्ञान एवं जैव चिकित्सा विज्ञान में कैरियर विकास के नए विकल्पों को जाना

By **National News Vision** - February 6, 2024

62 0

https://nationalnewsvision.com/seminar-on-various-career-options-in-biological-and-biomedical-sciences-in-collaboration-with-csir-cdri-and-tetc-india/

हिन्दी साप्ताहिक
टेलीस्कोप टुडे

जीव विज्ञान एवं जैव चिकित्सा विज्ञान में कैरियर विकास के नए विकल्पों की दी जानकारी

Telescope Today February 6, 2024

https://telescopetoday.in/archives/37592

संगोष्ठी | **संगोष्ठी में रिसर्च स्कॉलर, प्रौद्योगिकीविदों एवं पोस्टडॉक्टरल स्कॉलर सम्मिलित**

बायोमेडिकल साइंसेस में करियर विकल्पों पर संगोष्ठी

आयोजन

- **सीएसआईआर-सीडीआरआई और टीईटीसी इंडिया ने किया सहयोग**

लखनऊ, लोकसत्य

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान लखनऊ (सीएसआईआर-सीडीआरआई) ने ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टीईटीसी) इंडिया, के सहयोग से संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी का उद्देश्य बायोलॉजिकल और बायोमेडिकल साइंसेस में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारी देना था।

सीडीआरआई सभागार में आयोजित संगोष्ठी में भारत के विभिन्न हिस्सों से रिसर्च स्कॉलर, प्रौद्योगिकीविदों एवं पोस्टडॉक्टरल स्कॉलर सम्मिलित हुए। संगोष्ठी में कॉर्पोरेट, उद्योग, शिक्षा, संचार, व्यवसाय तथ सरकारी संगठनों आदि में शोध एवं अनुसंधान व वैज्ञानिक पदों एवं उससे आगे के क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी गई। संगोष्ठी की शुरुआत में, टीईटीसी, इंडिया की सह-संस्थापक और आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. रेखा गौर ने टीईटीसी संगठन के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

आयोजन समिति सचिव डॉ. मृगांक श्रीवास्तव और डॉ. हेमंत अग्रवाल ने शोध करियर की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. नैबेद्य चट्टोपाध्याय ने अनुसंधान एवं विकास में फ्लो साइटोमेट्री अनुप्रयोगों को लोकप्रिय बनाने के लिए टीईटीसी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और संगोष्ठी की शुरुआत की घोषणा की साथ ही प्रतिभागियों से इसमें खुले दिमाग से भाग लेने के लिए कहा।

सिनजीन इंटरनेशनल, बैंगलोर के प्रमुख अन्वेषक, डॉ. माइकल डिसिल्वा, डॉ. अरविंदर सिंह, निदेशक, ह्यूमन डायग्नोस्टिक्स गुड़गांव, डॉ आयुष मिश्रा, एनर्वेया, पुणे के सीआईएनओ, ने कंपनी स्टार्टअप और उद्यमिता पर अमूल्य अवलोकन प्रदान किया। सीएसआईआर-सीडीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. समन हबीब ने सरकारी संगठनों में वैज्ञानिक अवसरों के बारे में बात की। डॉ. एसके वार्ष्णेय ने सरकारी संगठनों के पास उपलब्ध फंडिंग/अनुदान अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ मनोज बर्थवाल एवं डॉ रेखा गौड़ की अध्यक्षता में एक प्रभावी पैनल डिस्कशन हुआ, जिससे वक्ताओं और प्रतिभागियों के बीच बातचीत को बढ़ावा मिला। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के डॉ. नरेश सचदेवा को सीडी4+टी कोशिकाओं में टीएलआर9 सिग्नलिंग सक्रियण पर उनके काम के लिए टीईटीसी बेस्ट पब्लिश्ड पेपर अवार्ड 2024 (शोध) से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने निष्कर्षों के बारे में एक व्याख्यान भी दिया।

https://epaper.loksatya.com/pagezoomsinwindows.php?id=19836&boxid=13513336&cid=4&edcode=75

कोशिका को ही नहीं, उसके व्यवहार की समझ को भी प्रकाशित करती है फ्लो साइटोमेट्री

Telescope Today   February 7, 2024

https://telescopetoday.in/archives/37680

UTTAR PRADESH

CSIR-CDRI Hosts Transformative Workshop on Flow Cytometry in Collaboration with TETC, India

R L Pandey Lucknow। Participants honed their skills and learned about the advanced applications of flow cytometry in Biological Sciences at CSIR-Central Drug Research Institute (CSIR-CDRI). This two-day workshop, is being organized in collaboration with the Trust for Education and Training in Cytometry (TETC) India.

sanjaysaini Feb 7, 2024 - 21:22 0

https://upplus.in/CSIR-CDRI-320

NATIONAL NEWS VISION

होम | उत्तर प्रदेश | विदेश | देश | राजनीति | खेल | बिजनेस | मनोरंजन | स्वास्थ्य | विविध

Home › विविध › कौशल को निखारा तथा फ्लो साइटोमेट्री के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में...

विविध

कौशल को निखारा तथा फ्लो साइटोमेट्री के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में सीखा

By **National News Vision** - February 7, 2024

71 0

https://nationalnewsvision.com/flow-cytometry-illuminates-the-understanding-of-not-only-the-cell-but-also-its-behavior-dr-derek/

News

सिल्वर जुबली इंडो-अमेरिकन फ्लो साइटोमेट्री की 25वीं कार्यशाला का आज सीडीआरआई में समापन

Rastragati News February 9, 2024 0

प्रतिभागियों ने बायोमेडिकल रिसर्च में कोशिकीय व्यवहार की जटिलताओं को हल करने के लिए फ्लो साइटोमेट्री का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

https://www.rastragatinews.com/?p=9086

सिल्वर जुबली इंडो-अमेरिकन फ्लो साइटोमेट्री की 25वीं कार्यशाला का आज सीडीआरआई में समापन

By Aapkikhabar newsFeb 9, 2024, 09:48 IST

प्रतिभागियों ने बायोमेडिकल रिसर्च में कोशिकीय व्यवहार की जटिलताओं को हल करने के लिए फ्लो साइटोमेट्री का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया*

---

https://aapkikhabar.com/local/25th-workshop-on-silver-jubilee-indoamerican-flow-cytometry/cid13537010.htm

हिन्दी साप्ताहिक
टेलीस्कोप टुडे

सिल्वर जुबली इंडो-अमेरिकन फ्लो साइटोमेट्री की 25वीं कार्यशाला का समापन

Telescope Today February 8, 2024

https://telescopetoday.in/archives/37746